अंतिम चरण में रेलवे विद्युतीकरण मिशन

सौर ऊर्जा की ओर रेलवे का झुकाव, कार्बन उत्सर्जन में कटौती की तैयारी

रेलवे का हरित मिशन तेज़, नेट ज़ीरो की राह पर बड़ा कदम

नई दिल्ली 10 सितंबर. **भारतीय रेलवे नेटवर्क का 99प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है, सिर्फ 698 रूट किलोमीटर बाकी; तय समय से पहले 100 प्रतिशत लक्ष्य पाने की तैयारी. भारतीय रेलवे ने अपनी हरित ऊर्जा यात्रा में एक और मील का पत्थर छू लिया है.**

रेलवे मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, जुलाई 2025 के अंत तक देश के 99 प्रतिशत रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण हो चुका है. 69,800 किलोमीटर लंबे पूरे नेटवर्क में अब केवल 698 रूट किलोमीटर को विद्युतीकरण की जरूरत है, जिसे मार्च 2026 की समय सीमा से पहले ही पूरा कर लेने का लक्ष्य है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने 100त्न विद्युतीकरण प्राप्त कर लिया है. वहीं, असम (269 किमी), तमिलनाडु (169 किमी), कर्नाटक (151 किमी), राजस्थान और गोवा जैसे पांच राज्यों में 90 प्रतिशत से अधिक नेटवर्क विद्युतीकृत हो चुका है.

राजस्थान में तो अब केवल 1 प्रतिशत ट्रैक को ही विद्युतीकरण की जरूरत है. रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि 100 प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य सिर्फ संचालन दक्षता नहीं, बल्कि नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन के राष्ट्रीय मिशन की दिशा में भी एक बड़ा कदम है. इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए रेलवे अब सौर ऊर्जा का उपयोग तेजी से बढ़ा रहा है.

> इस उपलब्धि से न केवल डीज़ल पर निर्भरता घटेगी, बल्कि लंबी दूरी की ट्रेनों के संचालन में लागत और समय दोनों की बचत होगी. साथ ही, यह पहल पर्यावरण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है. विद्युतीकरण की दिशा में रेलवे की तेज़ रफ्तार यह संकेत देती है कि भारत आने वाले वर्षों में न केवल नेट ज़ीरो की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा, बल्कि विश्व के सामने एक हरित परिवहन मॉडल भी प्रस्तुत करेगा.

स्वदेशी को अपनाएं, आत्मनिर्भर भारत बनाएं

मेट कोक आयात पर लगाम लगाने की जरूरत: गोयल

इस्पात उद्योग से विशेष स्टील उत्पादन की अपील

नयी दिल्ली,10 सितंबर. केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को इस्पात उद्योग से स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की अपील करते हुये सरकार की तरफ से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया.

गोयल ने यहां इंडियन स्टील एसोसिएशन के छठे स्टील अधिवेशन को संबोधित करते हुये याद दिलाया कि एक समय था जब इस्पात उद्योग ने लागत में मामूली बचत के लिए मेट कोक (ब्लास्ट फर्नेस में इस्तेमाल होने वाला उच्च गुणवत्ता वाला कोयला) आयात करने का फैसला किया था. उन्होंने कहा कि इससे आयात पर निर्भरता बढ़ती है और घरेलू उत्पादन हतोत्साहित होता है. उन्होंने साफ कहा कि इस्पात उद्योग का यह रवैया अनुचित था और ऐसा व्यवहार रहने पर दूसरे उद्योग भी भविष्य में उसके साथ खड़े नहीं होंगे. उन्होंने इस्पात उद्योग से अपने कच्चे माल की खरीद में स्वदेशी अपनाने और देश की हर तरह की इस्पात जरूरतों को पूरा करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की अपील करते हुये कहा, मैं आपसे सर्वश्रेष्ठ (इस्पात) बनाने की अपील करता हूं, लेकिन साथ ही स्वदेशी हमारा आदर्श और आत्मनिर्भर भारत हमारा मिशन होना चाहिये.

> उन्होंने इस्पात उद्योग से इमारत निर्माण में सीमेंट की जगह पहले से तैयार ढांचे के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के विकल्प तलाशने की अपील की. उन्होंने कहा कि जहाजरानी क्षेत्र में कनटेनर के लिए देश पूरी तरह आयात पर निर्भर है. इसलिए, इस्पात उद्योग को कंटेनर निर्माण के लिए जरूरी विशेष इस्पात का उत्पादन शुरू करना चाहिये, ताकि देश में ही कनटेनर बन सकें. उन्होंने अगले एक-दो साल में 50 करोड़ टन इस्पात निर्यात के लक्ष्य की दिशा में काम करने की अपील की. गोयल ने भरोसा दिलाया कि उनका मंत्रालय इस्पात उद्योग को बेहतरीन लौह अयस्क उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहा है.

ग्रीन एनर्जी लायेगी 700 करोड़ रुपये का आईपीओ

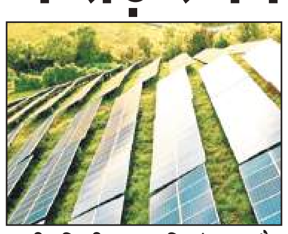

नयी दिल्ली, 10 सितंबर. सौर ऊर्जा संयंत्र बनाने में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनी प्रोजील ग्रीन एनर्जी के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की मंजूरी मिल गयी है.

इस प्रस्ताव में दो रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर का एक नया निर्गम शामिल है, जिसका कुल मूल्य 350 करोड़ रुपये है. इसके अलावा दो रुपये अंकित मूल्य वाले शेयरों का एक बिक्री प्रस्ताव भी शामिल है, जिसका कुल मूल्य 350 करोड़ रुपये है. कंपनी के प्रवर्तक शोभित बैजनाथ राय 168.50 करोड़ रुपये तक और मनन हितेंद्र कुमार ठक्कर 168.50 करोड़ रुपये तक के शेयर बेचेंगे. बड़े निवेशकों में एएआर ईएम वेंचर्स तीन करोड़ रुपये तक, भावेशकुमार बचुभाई मेहता दो करोड़ रुपये तक, जया चंद्रकांत गोगरी छह करोड़ रुपये तक और मनोज मुलजी छेड़ा दो करोड़ रुपये तक के शेयर बिक्री के लिए रखेंगे. कंपनी इस प्रस्ताव से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग दीर्घकालिक कार्यशील पूंजीगत व्यय, कुछ उधारों के आंशिक या पूर्ण पुनर्भुगतान/ पूर्व-भुगतान के लिए सहायक कंपनियों में निवेश, सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी.

भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया से आगे

वैश्विक संकट के बीच भारत चमका, फिच ने बढ़ाया ग्रोथ का भरोसा

नई दिल्ली 10 सितंबर. फिच ने भारत की एफवाई 26 जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत किया; घरेलू मांग और निवेश को बताया विकास की मुख्य ताकत. भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी तेज़ रफ्तार से आगे बढ़ रही है.

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच ने अपनी ताज़ा ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में भारत की विकास दर का अनुमान एफवाई 26 के लिए 6.5प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9प्रतिशत कर दिया है. एजेंसी का मानना है कि आने वाले तीन वर्षों तक भारत की जीडीपी ग्रोथ लगातार 6प्रतिशत से ऊपर बनी रहेगी. फिच ने कहा है कि मजबूत घरेलू मांग, बढ़ती वास्तविक आय, और अनुकूल वित्तीय परिस्थितियाँभारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रही हैं. यही नहीं, खर्च और निवेश दोनों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, जिससे भारत अपनी क्षमता से भी ऊपर प्रदर्शन कर रहा है.

> रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक वर्ष 2025 के अंत तक 25 बेसिस पॉइंट की दर कटौती कर सकता है. इसके बाद 2026 तक दरों में स्थिरता रहेगी, और 2027 में दरें फिर से बढ़ सकती हैं. फिच ने एफवाई 27 के लिए भारत की विकास दर 6.3प्रतिशत और एफवाई 28 के लिए 6.2प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है.

सोने की कीमतों में 0.23% की गिरावट

नयी दिल्ली, 10 सितंबर अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की उम्मीद और मुनाफावसूली से सोना 1.09 लाख प्रति 10 ग्राम के नीचे; निवेशकों की नजर अब अमेरिकी डेटा पर. हाल ही में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बुधवार को सोने की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई. अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों में कमजोरी के चलते निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी. नतीजतन, घरेलू वायदा बाजार में सोने की कीमतें 1.09 लाख प्रति 10 ग्राम के नीचे आ गईं. एमसीएक्स पर अक्टूबर डिलीवरी वाले सोने की कीमत 230 घटकर 1,08,830 प्रति 10 ग्राम रही. इससे एक दिन पहले मंगलवार को सोने की कीमत 1,09,840 के सर्वकालिक उच्चतम स्तर तक पहुंच गई थी.

एयर इंडिया का एयर अस्ताना के साथ कोड शेयर समझौता

एक ही टिकट और एक ही चेक-इनपर्यटन,

व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान

नयी दिल्ली, 10 सितंबर. एयर इंडिया और एयर अस्ताना के कोड शेयर समझौते से भारत-कजाकिस्तान के बीच हवाई संपर्क और पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान. टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने कजाकिस्तान की प्रमुख एयरलाइंस एयर अस्ताना के साथ कोड शेयर समझौता किया है.

एयर इंडिया ने बुधवार को बताया कि इस समझौते से दोनों एयरलाइंस के यात्रियों को ज्यादा विकल्प मिल सकेंगे. इसका मतलब है कि भारत से अलमाटी की उड़ानों पर एयर इंडिया का कोड होगा. यात्री एयर इंडिया की बेवसाइट से अस्ताना के नेटवर्क पर टिकट बुक करा सकेंगे. मुंबई और दिल्ली के रास्ते अलमाटी जाने वाले एयर इंडिया के यात्रियों को अब एक ही टिकट बुक करानी होगी और एक ही चेक-इन में वे पूरी यात्रा कर सकेंगे. एयर इंडिया के प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने कहा कि इस कोड शेयर समझौते से कजाकिस्तान के साथ हवाई संपर्क मजबूत होगा. यह एक ऐसा बाजार है जो तेजी से बढ़ रहा है और जिसमें पर्यटन की काफी संभावनायें हैं.

> एयर अस्ताना समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर फोस्टर ने कहा कि एशिया की सबसे पुरानी विमान सेवा कंपनी के साथ कोड शेयर समझौता करने की उन्हें खुशी है. एयर अस्ताना समूह के लिए भारत का रणनीतिक महत्व है. उन्होंने बताया कि समूह दिल्ली, मुंबई और गोवा के लिए उड़ानों की संख्या में वृद्धि करेगा. इससे पहले एयर इंडिया ने इसी साल एयर अस्ताना के साथ इंटरलाइन समझौता किया था जिससे उनके लिए एयर अस्ताना की उड़ानों से कजाकिस्तान के अस्ताना, किर्गिस्तान के बिस्केक, उजबेकिस्तान के ताशकंद, ताजिकिस्तान के दुशांबे और चीन के उरुमकी जाना आसान हो गया है.

भारतीय शेयर बाजार में तेजी जारी

403 अंक की बढ़त पर रहा संसेक्स

122 अंक पर चढ़ा निफ्टी

मुंबई, 10 सितंबर. अमेरिका में फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और भारत के बारे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान से बुधवार को लगातार दूसरे दिन आईटी सेक्टर में लिवाली जारी है और शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 400 अंक से अधिक की तेजी में रहा.

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 403.04 अंक की तेजी के साथ 81,504.36 अंक पर खुला. खबर लिखे जाते समय यह गत दिवस के मुकाबले 418.36 अंक (0.52 प्रतिशत) ऊपर 81,519.68 अंक पर था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 122.40 अंक चढ़कर 24,991 अंक पर खुला. यह खबर लिखे जाते समय 128.80 अंक यानी 0.52 फीसदी ऊपर 24,997.40 अंक पर था. अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगले सप्ताह होने वाली बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से अन्य एशियाई शेयर बाजारों में भी तेजी रही. इसके अलावा ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ व्यापार वार्ता अब भी जारी है. उनके पिछले दो-तीन दिन के बयानों के परिप्रेक्ष्य में इस बयान से आयात शुल्क में कटौती की उम्मीद बढ़ी है. इससे घरेलू आईटी और फार्मा कंपनियों में निवेशक पैसे लगा रहे हैं.

एच सी एल को 10 साल का प्रोडक्शन लाइसेंस मिला

नयी दिल्ली, 10 सितंबर, भारत की प्रमुख डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है. एक रणनीतिक समझौता करते हुए स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर डील पर हस्ताक्षर किए हैं. इस समझौते के बाद का नॉन-एक्सक्लूसिव, नॉन-ट्रांसफरेबल लाइसेंस मिला है. एक तीन-स्टेज रॉकेट है, जिसे 500 किलो तक के सैटेलाइट को लोअर अर्थ ऑर्बिट में स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है.

ड्रोन पर एक समान 5% जीएसटी

नयी दिल्ली, 10 सितंबर (वार्ता) केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने ड्रोन पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक समान पांच प्रतिशत करने और फ्लाइट तथा मोशन सिम्युलेटर पर शून्य कर करने की तारीफ की.

नायडू ने मंगलवार को कहा कि सभी श्रेणी के ड्रोन पर अब एक समान पांच प्रतिशत कर लगाने से नीतिगत स्थिरता आयेगी और वर्गीकरण पर विवादों पर विराम लगेगा. इसके अलावा फ्लाइट सिम्युलेटर और मोशन सिम्युलेटर को भी जीएसटी में कर से छूट दी गयी है. इससे देश में प्रशिक्षण पारिस्थितिकी को बढ़ावा मिलेगा. इसका लाभ विमान सेवा कंपनियों और संस्थानों को प्रशिक्षण उपकरणों की लागत कम करने में मदद मिलेगी. पहले ड्रोनों पर 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत जीएसटी था.

समाचार विशेष

पूरब में सपा का किला ध्वस्त करेगी भाजपा?

'चाणक्य' ने किया अखिलेश के सांसद को फोन, मचा सियासी हड़कंप!

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में अभी डेढ़ साल का वक्त बाकी है. लेकिन भाजपा ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है. यहां ताजा घटनाक्रम कुछ ऐसा हुआ है जिसके चलते यूपी के सियासी हलकों में यह चर्चा होने लगी है कि भाजपा सूबे के सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के किले में सेंधमारी करने वाली है.

दरअसल, सपा सांसद राजीव राय के जन्मदिन के मौके पर गृह मंत्री अमित शाह ने भी उन्हें फोन पर बधाई दी. राजीव राय को बीजेपी के 'चाणक्य' कहे जाने वाले गृह मंत्री अमित शाह का फोन करना प्रदेश के राजनैतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन चुका है.

अमित शाह के फोन के बारे में राजीव राय ने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है. हर साल वह मुझे फोन करके जन्मदिन की बधाई देते हैं. राजीव राय ने अमित शाह का धन्यवाद किया और यह भी कहा कि जब वह दिल्ली आएंगे तो उनसे जरूर मिलेंगे. राजीव राय ने बताया कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी मुझे फोन करके जन्मदिन की बधाई दी है. इसके साथ ही पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के भी फोन आए हैं. राय ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ये हमारे राजनीतिक मूल्य हैं. कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है. कुछ लोगों ने इसे बनाए रखा है. जन्मदिन पर मिली शुभकामनाओं के बारे में राजीव राय ने कहा कि मैं सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं. मैं हमेशा कहता हूं कि जितनी बड़ी जीत, उतनी ही बड़ी ज़िम्मेदारी. जो भी वादे किए गए थे, वे पूरे हो गए हैं, कुछ बाकी हैं जो जल्द ही पूरे होंगे. अगर 2027 में हमारी सरकार बनी तो ऐतिहासिक काम होंगे.

विदेश गए डेलिगेशन का हिस्सा थे राय- यहां आपको यह भी बताना जरूरी है कि पहलगाम आतंकी हमले और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गई कार्रवाई के बाद पांच देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सपा सांसद राजीव राय शामिल थे.

> **सपा के किले में सेंधमारी कर रही बीजेपी?**
>
> राजीव राय भूमिहार जाति से ताल्लुक रखने वाले राजीव राय पूर्वांचल के मऊ, बलिया और गाजीपुर क्षेत्र में समाजवादी पार्टी का प्रमुख चेहरा हैं. ऐसे में अगर भाजपा उन्हें तोड़ने में कामयाब होती है तो पूर्वांचल में सपा के लिए यह बड़ा डेंट साबित हो सकता है. जिसका असर 2027 चुनाव पर जरूर पड़ेगा. बता दें कि राजीव राय ने बलिया से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई की. फिर, वाराणसी के यूपी कॉलेज से स्नातक किया. इसके बाद उन्होंने बैंगलोर से फिजियोथेरेपी की पढ़ाई पूरी की. उन्होंने बॉल्सब्रिज विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की.

जाति की राजनीति या व्यक्तित्व का दबदबा?

पहले चुनाव में निर्दलीय जीते थे विवेकानंद गिरी

सीतामढ़ी. लोक सभा और विधान सभा के चुनावों में अब विभिन्न आपराधिक मामलों में आरोपित को भी आसानी से टिकट मिल जाता है. 1950 **से** 1980 **के दशक में व्यक्तित्व के आधार पर ही टिकट मिलता था और इस तरह के प्रत्याशी को जनता भी मदद करती थी.**

स्वच्छ छवि के लोग बिना किसी दल के टिकट के यानी निर्दलीय चुनाव जीतते थे. महंत विवेकानंद गिरी भी व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे. तभी तो रुन्नीसैदपुर विधानसभा की जनता ने उन्हें चार बार अपना विधायक चुना था. खास बात यह कि वे दो बार निर्दलीय ही चुनाव जीते थे. बहरहाल, यह विधानसभा क्षेत्र ज्यादातर यादवों (यादव विधायक) के कब्जा में ही रहा था.

महंत विवेकानंद गिरी जिले के रुन्नीसैदपुर प्रखंड के मानिकचौक गांव के थे. रुन्नीसैदपुर विधानसभा का पहला चुनाव 1952 में हुआ था. उस चुनाव में विवेकानंद निर्दलीय जीते थे. कांग्रेस के रत्नेश्वर नंदन सिंह को पराजित किए थे.

तीन बार देखना पड़ा था हार का मुंह

1967 में महंत कांग्रेस के टिकट पर 1402 मतों से जीते थे. 1969, 72 और 77 का चुनाव में महंत हार गए थे. वर्ष 1980 के वे फिर कांग्रेस के प्रत्याशी बने और जीते थे. उन्होंने जनता दल के नवल किशोर शाही को हराया था. 1985 और 1990 के चुनाव में भी महंत हार गए थे. 85 के चुनाव में शाही जीते थे. 1990 के बाद महंत किसी चुनाव में हिस्सा नहीं लिए.

कांग्रेस की सक्रियता से बढ़ी राजद की चिंता

बैकफुट पर महसूस कर रहे तेजस्वी; बदलनी पड़ी रणनीति

नई दिल्ली. राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा ने बिहार की राजनीति में अप्रत्याशित हलचल पैदा कर दी है. असर इतना गहरा है कि महागठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी राजद को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर होना पड़ गया है. पिछले विधानसभा चुनाव से उलट तेजस्वी यादव इस बार अब तक अगड़ा-पिछड़ा की बहस को हवा दे रहे थे, लेकिन अब अचानक समावेशी एटूजेड राजनीति की ओर लौटते दिखाई दे रहे हैं.

लगभग दो सप्ताह से उनका कोई ऐसा बयान नहीं आया है, जिसमें अगड़ा-पिछड़ा की बहस हो. दरअसल, बिहार में कांग्रेस की अति सक्रियता ने राजद की चिंता बढ़ा दी है. राहुल की यात्रा ने कांग्रेसियों में उत्साह जगाया और यह संदेश दिया. यात्रा में आई भीड़ ने राजद को इस आशंका से बैकफुट पर जाने के लिए विवश किया कि राजद का आधार वोट (मुस्लिम-यादव) तो कांग्रेस को मिलेगा ही, साथ ही सवर्ण एवं अन्य जातीय समूहों का झुकाव भी अगर बढ़ा तो कांग्रेस अपने हिस्से में आई अधिकतर सीटों पर जीत हासिल कर सकती है.

लालू प्रसाद की विरासत से अलग राह अपनाई- ऐसे में उसका स्ट्राइक रेट सुधर जाएगा और महागठबंधन में उसकी सौदेबाजी की ताक़त बढ़ जाएगी. पिछले विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव ने लालू प्रसाद की विरासत से अलग राह अपनाई थी. उन्होंने न केवल पोस्टरों से लालू-राबड़ी काल की छवि हटाई थी, बल्कि जातीय समीकरण को भी हाशिये पर रखकर रोजगार और विकास के विमर्श को आगे बढ़ाया था, मगर इस बार उन्होंने राहुल की यात्रा से पहले अगड़ा-पिछड़ा के सवाल को उछालना शुरू कर दिया था. लेकिन यात्रा में उमड़ी भीड़ ने उनकी इस रणनीति को झटका पहुंचाया.

विशेष | **क्या कह रहे सियासी दांव-पेंच**

क्या भागवत खत्म करवाएंगे वसुंधरा का वनवास?

जयपुर. राजस्थान भाजपा की सियासत इस वक्त ठहरे हुए पानी जैसी लग रही है, लेकिन भीतर ही भीतर हलचल भी महसूस की जा रही है. ये हलचल है सियासत के रंगमंच पर अपनी भूमिका का इंतजार कर रहे नेताओं की. लेकिन, सबकी नजर एक ही चेहरे पर टिकी है, वह हैं वसुंधरा राजे. ऐसा इसलिए है, क्योंकि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एक बार फिर से भाजपा और संघ की सक्रिय राजनीति के केंद्र में आती दिख रही हैं.

हाल ही में जोधपुर प्रवास के दौरान राजे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत से मुलाकात की. इसके बाद मोहन-राजे की मुलाकात पर सियासी चर्चा शुरू हो गई. इस चर्चा को राजे के करीब एक सप्ताह पहले धौलपुर में दिए बयान से भी बल मिलता है. एक धार्मिक मंच से उन्होंने कहा था- जीवन में हर किसी का वनवास होता है, लेकिन वह स्थायी नहीं होता. वनवास आएगा तो जाएगा भी. वहीं, पिछले महीने वसुंधरा राजे ने पीएम नरेंद्र मोदी से भी संसद में मुलाकात की थी. इन सभी सियासी घटनाक्रमों को जोड़कर देखें तो इससे संकते मिलते हैं कि भाजपा हाईकमान और राजे के बीच रिश्ते बदल रहे हैं.

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा में इन दिनों राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर कई चेहरों के नाम चल रहे हैं. भाजपा जिस तरह पिछली बार संसद में महिला आरक्षण का विधेयक लाई थी, उसे देखते हुए पार्टी को अहम पदों पर मजबूत महिला नेत्रियों की जरूरत भी होगी. हालांकि, संघ प्रमुख सार्वजनिक मंच से हाल में यह बयान दे चुके हैं कि आरएसएस भाजपा के मामलों में दखल नहीं देती.

> **कहीं न कहीं संघ का समर्थन जरूरी**
>
> हालांकि, राजनीति के जानकार कहते हैं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का मसला सिर्फ भाजपा को ही तय करना होता.. तो अब तक तय हो चुका होता. इसमें कहीं न कहीं संघ का समर्थन जरूर होता है. इसलिए इस अहम पद पर किसकी तैनाती होगी, इसका रास्ता नागपुर से होकर निकलता है. वसुंधरा की यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब भाजपा में नेतृत्व को लेकर भीतरखाने कई चर्चाएं चल रही हैं. संघ की भूमिका फिर से महत्वपूर्ण हो रही है.